नव भारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

वरिष्ठ नागरिकों की चिंता

हाल ही में इंदौर में एक हैरान और परेशान करने वाली घटना सामने आई है. 91 वर्षीय गीता चौहान को अपने ही फ्लैट का कब्जा वापस पाने के लिए 19 वर्ष तक कानूनी लड़ाई लड़नी पड़ी. जिस केयरटेकर को उन्होंने अपने लकवाग्रस्त बेटे की देखभाल के लिए रखा, उसी ने कथित रूप से फर्जी दस्तावेज तैयार कर संपत्ति पर कब्जा जमा लिया और मां-बेटे को बेघर कर दिया. यह केवल एक परिवार की त्रासदी नहीं, बल्कि उस गंभीर सामाजिक संकट का संकेत है, जिसकी ओर लंबे समय से पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया. इससे पहले इंदौर के प्रेमाश्रय वृद्धाश्रम में बुजुर्गों के साथ मारपीट की घटना ने भी यह स्पष्ट कर दिया था कि वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा और सम्मान का प्रश्न अब केवल पारिवारिक नहीं, बल्कि सार्वजनिक और नीतिगत विषय बन चुका है.

स्थिति इसलिए भी अधिक चिंताजनक है क्योंकि राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार मध्यप्रदेश लगातार तीसरे वर्ष वरिष्ठ नागरिकों के विरुद्ध अपराधों के मामलों में देश में शीर्ष पर है. धोखाधड़ी, संपत्ति पर अवैध कब्जा, आर्थिक शोषण, साइबर ठगी, मानसिक प्रताड़ना और उपेक्षा जैसी घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं. डिजिटल अरेस्ट, फर्जी केवाईसी, निवेश के नाम पर ठगी और भावनात्मक छल जैसे नए अपराधों में भी सबसे आसान निशाना बुजुर्ग ही बन रहे हैं.

दरअसल, भारत तेजी से जनसांख्यिकीय परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है. आने वाले दशक में देश में वरिष्ठ नागरिकों की संख्या अभूतपूर्व स्तर पर पहुंच जाएगी और कई क्षेत्रों में उनकी आबादी युवाओं के बराबर या उससे अधिक हो जाएगी. ऐसे समय में केवल वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम, 2007 के भरोसे रहना पर्याप्त नहीं होगा. आवश्यकता एक व्यापक राष्ट्रीय वरिष्ठ नागरिक नीति की है, जिसमें सुरक्षित आवास, स्वास्थ्य सेवाएं, मानसिक परामर्श, कानूनी सहायता, साइबर सुरक्षा, संपत्ति संरक्षण और त्वरित न्याय की प्रभावी व्यवस्था हो. प्रत्येक जिले में वरिष्ठ नागरिक सहायता केंद्र, विशेष हेल्पलाइन और फास्ट ट्रैक तंत्र विकसित किए जाने चाहिए.

सरकार के साथ-साथ समाज की जिम्मेदारी भी कम नहीं है. सामाजिक, धार्मिक और स्वयंसेवी संगठनों को वरिष्ठ नागरिकों के लिए नियमित स्वास्थ्य शिविर, कानूनी परामर्श, डिजिटल साक्षरता प्रशिक्षण, अकेले रहने वाले बुजुर्गों की निगरानी और आपातकालीन सहायता जैसे कार्यक्रम चलाने चाहिए. प्रत्येक शहर और मोहल्ले में सामुदायिक स्तर पर ऐसा तंत्र विकसित होना चाहिए, जहां बुजुर्ग स्वयं को सुरक्षित, सम्मानित और जुड़ा हुआ महसूस कर सकें. परिवारों में भी यह संस्कार मजबूत करना होगा कि बुजुर्ग बोझ नहीं, बल्कि अनुभव और मूल्यों की सबसे बड़ी धरोहर हैं.

भारत इस दिशा में जापान, नॉर्वे, स्वीडन और फिनलैंड जैसे देशों से बहुत कुछ सीख सकता है. इन देशों में वरिष्ठ नागरिकों के लिए घर आधारित देखभाल, सामाजिक सुरक्षा, सामुदायिक भागीदारी, तकनीकी सहायता और सम्मानजनक जीवन सुनिश्चित करने वाली व्यवस्थाएं विकसित की गई हैं. वहां वृद्धावस्था को सामाजिक उत्तरदायित्व माना जाता है, दया का विषय नहीं. किसी भी सभ्य समाज की पहचान इस बात से होती है कि वह अपने सबसे कमजोर और सबसे अनुभवी नागरिकों के साथ कैसा व्यवहार करता है. गीता चौहान की 19 वर्ष लंबी पीड़ा और प्रेमाश्रय जैसी घटनाएं चेतावनी हैं कि यदि आज प्रभावी नीतियां और संवेदनशील सामाजिक व्यवस्था नहीं बनाई गई, तो कल यह संकट और गहरा होगा. वरिष्ठ नागरिकों को सुरक्षा, सम्मान और आत्मसम्मान के साथ जीवन जीने का अधिकार दिलाना अब केवल सरकार का दायित्व नहीं, बल्कि पूरे समाज की साझा जिम्मेदारी है.

विंध्य की डायरी

...जब विधायक बोले जनता के बीच कैसे जाएंगे

डा. रवि तिवारी

प्रदेश में अधिकारी बेलगाम हैं और जनता परेशान है. हालत यह है कि माननीय विधायकों की नही सुनी जाती तो आम जनता का भला कौन सुने. सिंगरौली में प्रभारी मंत्री संपतिया उईके बैठक ले रही थीं. भाजपा के ही विधायक रामनिवास शाह ने लंबित निर्माण कार्यो को लेकर जमकर सुनाया और कहा कि हम एक भी प्रोजेक्ट पूरा नही कर पा रहे है तो जनता के सामने किस मुंह से वोट मांगने जाएंगे.

विधायक के कड़े तेवर देख कर मंत्री से लेकर अधिकारियों के भी पसीने छूटने लगे. विधायक जी का तेवर देख ननि के अधिकारियों के भी सुर बदल गये और परिस्थिति को देखते हुए प्रभारी मंत्री ने भी आयुक्त को समस्याओं का हल करने के लिये समय दिया. वही अब विपक्षी दल चुटकी ले रहे हैं कि जब सत्ताधारी विधायकों की कोई सुनवाई नही हो रही तो जनता की भला कौन सुनेगा. विधायक तो ठीक हैं भाजपा के अन्य नेताओं ने भी कहा कि अधिकारी हम लोगो की भी नही सुनते है. दरअसल सिंगरौली में भाजपाईयों के बीच आपसी लड़ाई चल रही है और प्रभारी मंत्री को लेकर खेमेबाजी है यही वजह है कि जब भी प्रभारी मंत्री सिंगरौली पहुंचती हैं तो आरोपों का दौर शुरू हो जाता है. यह कोई पहला मामला नही है इसके पहले भी भाजपा नेताओं की आपसी लड़ाई सामने आ चुकी है. फिर चाहे बहाना निर्माण कार्य को लेकर हो या फिर मिलने का समय न देना. आपसी खींचतान में भाजपा उलझी हुई है, असल लड़ाई वर्चस्व की है.

नाराज कांग्रेसियों को पढ़ाया एकता का पाठ

कांग्रेस के संगठन सृजन अभियान की रीवा में हवा निकल रही है. संगठन से अलग कई कांग्रेस नेता अपने हिसाब से राजनीति चमका रहे है. या दूसरे शब्दों में कहें संगठन के प्रति नाराजगी है जो समय-समय पर सामने आती रहती है. जिले में पहले से ही गुटबाजी चल रही थी और अब खुलकर सामने आ चुकी है. बिखरी कांग्रेस को मजबूत करने और नाराज कांग्रेसियों से मिलने प्रदेश के सह प्रभारी रणविजय सिंह लोचव रीवा पहुंचे और संगठन की नब्ज टटोलने के साथ नाराज कांग्रेसियों से मुलाकात की.

विंध्य में सूखे की आहट

विंध्य में इस समय बादलों की बेरूखी से सूखे के गंभीर संकेत मिल रहे है, बारिश की भारी कमी के कारण खरीफ फसलों की बोनी प्रभावित हुई. धान की रोपाई थम गई है और लगातार तेज धूप से खेत सूखने की कगार पर है. मानसून का देरी से आना और उसके बाद बादलों का रूठ जाना समूचे विंध्य में सूखे के हालात पैदा कर दिये है. कर्ज के बोझ में दबा किसान आसमान की तरफ टकटकी लगाए देख रहा है पर बेवफा हो चुके बादल विंध्य की धरती पर मेहरबान नही हो रहे है. सामान्य से कम हुई बारिश को लेकर मौसम वैज्ञानिक सहित किसान भी परेशान है. अकेले रीवा में केवल 150 मिली मीटर औसत वर्षा अभी तक हुई है, अमूमन यही हाल अन्य जिलों में है. विंध्य में धान का व्यापक उत्पादन होता है, लक्ष्य से कहीं ज्यादा कई बार उत्पादन हुआ है. लेकिन इस बार कम वर्षा ने किसानों की उम्मीद पर पानी फेर दिया है, हालत यह है कि धान की रोपाई किसान नही कर पाया. डेढ़ माह वर्षाकाल का बीत चुका है और अब डेढ़ माह का समय शेष है. इस बीच अगर बारिश नही होती तो निश्चित रूप से विंध्य को सूखा ग्रस्त घोषित करना पड़ेगा.

जन्मदिन पर विशेष

कर्मयोद्धा हैं डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ल

ताहिर अली

राजेंद्र शुक्ल का जन्म और प्रारंभिक शिक्षा रीवा, मध्यप्रदेश में हुई. वर्ष 1986 में उन्होंने इंजीनियरिंग कॉलेज, रीवा से बैचलर ऑफ इंजीनियरिंग की डिग्री प्राप्त की. अपने छात्र जीवन के दौरान ही उन्होंने नेतृत्व क्षमता का प्रदर्शन किया. वर्ष 1985-86 में इंजीनियरिंग कॉलेज, रीवा के छात्रसंघ के अध्यक्ष निर्वाचित हुए. वर्ष 1992 में युवा सम्मेलन का आयोजन करने में भी उनकी सयि भागीदारी रही. वे लायंस क्लब रीवा के लंबे समय से सदस्य रहे हैं. भाजपा मध्यप्रदेश की कार्य समिति के सदस्य और मध्यप्रदेश गृह निर्माण मंडल के डायरेक्टर भी रहे हैं.

श्री शुक्ल ने वर्ष 1998 में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सदस्यता ग्रहण की और प्रदेश कार्यसमिति सदस्य बनाए गए. वर्ष 2003 में बारहवीं विधान सभा के सदस्य निर्वाचित हुए और राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) आवास एवं पर्यावरण रहे. वर्ष 2008 में तेरहवीं विधान सभा के सदस्य निर्वाचित हुए और राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) वन, जैव विविधता तथा जैव प्रौद्योगिकी, खनिज साधन, विधि और विधायी कार्य और ऊर्जा मंत्री रहे.

वर्ष 2009 में ऊर्जा एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्रालय का प्रभार संभालने के पश्चात, श्री शुक्ल ने गुजरात की ग्राम ज्योति योजना से प्रेरित होकर मध्यप्रदेश में भी अटल ज्योति योजना का शुभारंभ किया. इस योजना के माध्यम से प्रदेश में 24 घंटे निर्बाध बिजली आपूर्ति के लक्ष्य को हासिल किया गया. वर्ष 2012 में उन्हें मंत्री ऊर्जा, खनिज साधन बनाया गया.

वर्ष 2013 में चौदहवीं विधान सभा के सदस्य निर्वाचित हुए और मंत्री, ऊर्जा, नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा, खनिज साधन, जनसम्पर्क, वाणिज्य, उद्योग और रोजगार, प्रवासी भारतीय विभाग का मंत्री बनाया गया. वर्ष 2018 में चौथी बार विधानसभा सदस्य निर्वाचित हुए.

श्री शुक्ल ने 26 अगस्त 2023 को कैबिनेट मंत्री के पद की शपथ ग्रहण की. मंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी एवं जनसंपर्क विभाग रहे. सन् 2023 में पांचवीं बार विधान सभा सदस्य निर्वाचित. दिनांक 13 दिसम्बर 2023 को उप मुख्यमंत्री पद की शपथ. उनके नेतृत्व और प्रयासों से रीवा और विन्ध्य क्षेत्र को नई पहचान मिली है और वे निरंतर अपने क्षेत्र के विकास के लिए कार्यरत हैं. नवकरणीय ऊर्जा मंत्री रहते हुए, उन्होंने रीवा में एशिया के सबसे बड़े सोलर प्लांट की स्थापना की और इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकार्पित किया.

श्री शुक्ल ने व्हाइट टाइगर को विन्ध्य क्षेत्र के मुकुन्दपुर वन क्षेत्र में वापस लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. यह क्षेत्र 46 वर्षों से व्हाइट टाइगर से वंचित था, जो कि विन्ध्य क्षेत्र का एक महत्वपूर्ण राजनैतिक और भावनात्मक मुद्दा रहा है. वर्ष 2014 में स्थापित इस जू में आज भी हजारों देशी-विदेशी पर्यटकों का आकर्षण बना हुआ है.

श्री शुक्ल रीवा सहित विंध्य क्षेत्र के विकास के कार्यों में सदैव सक्रिय रहे हैं. रीवा में एयरपोर्ट सुविधा के लिए उनके प्रयास फलीभूत हुए और विध्य की देश के अन्य हिस्सों से कनेक्टिविटी बेहतर हुई है. वे संभागीय मुख्यालय को महानगर बनाने की दिशा में भी सक्रिय हैं. उनके मंत्रिमंडल कार्यकालों के दौरान, वाणसागर के पानी से रीवा और विंध्य क्षेत्र में सिंचाई की सुविधा में सतत वृद्धि हुई है.

श्री शुक्ल के प्रयासों से रीवा में तालाबों और जल संरचनाओं का सौंदर्यीकरण और पुनरुद्धार हुआ है. उन्होंने सड़क, पुल, रिंग रोड, मठ, मंदिर, तीर्थ स्थलों का जीर्णोद्धार भी करवाया है. उन्होंने खाली पड़ी एवं अनुपयोगी जमीनों में पार्क और बागों का निर्माण करवाया है. स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए उन्होंने सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल का निर्माण और चिकित्सकों की नियुक्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रयास किये हैं.

पर्यावरण संरक्षण के प्रति उनकी विशेष अभिरुचि रही है. जगह-जगह वृक्षारोपण और नगर वन तथा एपीएस वन का निर्माण करवाया है. युवाओं के खेलकूद के लिए उन्होंने विश्व स्तरीय मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाई और स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का निर्माण कराया. बीहर नदी में रिवर फ्रंट का निर्माण भी उनके प्रयासों का परिणाम है. श्री शुक्ल के प्रयासों से संस्कृत विश्वविद्यालय की स्थापना हुई. शिक्षा और संस्कृति के प्रति यह उनका समर्पण प्रदर्शित करता है.

राजेंद्र शुक्ल गौ-सेवा के कार्यों के लिए सदैव प्रयासरत रहे हैं. उनके द्वारा गौ-सेवा में जनमानस की सहभागिता एवं प्रयासों को आर्थिक रूप से लाभकारी बनाने की दिशा में प्रयास किए गये हैं. बसामन मामा गौ अभयारण्य गायों की देखभाल और संरक्षण के उत्कृष्ट प्रयासों का मूर्त मॉडल है.

सम्प्रति - उप मुख्यमंत्री, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, चिकित्सा शिक्षा

हॉकी के मेन इन ब्लू हो गए केसरिया!

केसरिया या भगवा रंग भारत की शान है. यह धैर्य, त्याग और विजय का प्रतीक है. राजपूत योद्धा केसरिया बाना पहनकर युद्ध में उतरते थे. उत्तरप्रदेश जैसे बड़े राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भगवा वेशधारी हैं. अब 15 से 30 अगस्त तक होनेवाले हॉकी विश्वकप के लिए भारतीय टीम अपनी परंपरागत नीली ड्रेस की बजाय केसरिया परिधान पहनेगी. मेन इन ब्लू अब केसरिया यूनिफार्म (टी शर्ट व हाफ पैंट) पहन कर खेलेंगे. वह चाहें तो राजस्थानी गीत 'केसरिया बालम' सुनकर उत्साह महसूस कर सकते हैं. कुछ लोगों को बदलाव पसंद नहीं आता. वह एक ही ढर्रे पर चलना चाहते हैं. पूर्व भारतीय हॉकी खिलाड़ी वीरेन रासकिन्हा इस समय ओलम्पिक गोल्ड क्वेस्ट नामक संस्था के सीईओ हैं. उन्होंने हॉकी खिलाड़ियों के नए भगवा गणवेश की आलोचना करते हुए उसे 'अपमानजनक' बताया. उन्हें राष्ट्रीय स्वाभिमान का 'भगवा' नहीं जंचा. उन्होंने कहा कि भारतीय हॉकी टीम की गौरवशाली विरासत व पहचान हमेशा से नीली पोशाक रही है जिसे वह गर्व से पहनती आई है. हॉकी इंडिया का रंग बदलने का निर्णय शर्मनाक है. रासकिन्हा की राय अपनी जगह है क्योंकि आसमान और समुद्र का रंग भी नीला होता है. राम और कृष्ण को भी नीलवर्ण माना गया है. फिल्मी गीत 'नीले-नीले अंबर' भी लोकप्रिय हुआ था. यदि हॉकी टीम की पोशाक का रंग बदला तो क्या भारतीय क्रिकेट टीम को भी केसरिया या भगवा पहनने को कहा जाएगा? हॉकी इंडिया की दलील है कि अब विश्व भर में हॉकी मैदानों में नीला सिंथेटिक ट्रैक बिछाया गया है. नीली पोशाक और नीला मैदान रहने से दृश्य साम्यता या एकसरीखा रंग हो जाता है. इससे खिलाड़ियों को दिक्कत हो सकती है. पीला और केसरिया ऐसे रंग हैं जो दूर से नजर आते हैं. हॉकी इंडिया के तर्क चाहे जो हों, आजकल ब्लू कॉलर का मतलब क्लास फोर कर्मचारी हो गया है इसलिए कारपोरेट के साहब लोग हमेशा व्हाइट कॉलर पीपुल कहलाते हैं. केसरिया को लेकर कोई भी कह सकता है- बोलो जुबां केसरी !

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

कब तक छिपेंगे अमित शाह राहुल-खड़गे देखते राह

पड़ोसी ने हमसे कहा, 'निशानेबाज, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे चाहते हैं कि प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह संसद में आकर जवाब दें. खड़गे ने यह भी कहा कि आप कमरे में कब तक छिपेंगे?'

हमने कहा, 'किसी के छिप जाने से इतनी बेचैनी क्यों होनी चाहिए. लुका-छिपी का खेल तो चलता ही रहता है. बारिश और ठंड के मौसम में सूरज कभी दिखाई देता है तो कभी बादलों की ओट में छुप जाता है. चंद्रमा भी अमावस को पूरी तरह छिप जाता है. छुपना हमारी पुरानी परंपरा में है. भगवान भी भक्त को दर्शन व वरदान देने के बाद अंतर्धान हो जाते थे. अर्जुन ने शिखंडी के पीछे छिपकर भीष्म पितामह पर बाण चलाए थे. भगवान राम ने वृक्षों के पीछे छिपकर बाली पर बाण छोड़ा था. छुपना एक रणनीति या स्ट्रेटजी है. सेना भी बंकर बनाती है और ट्रेंचेस या खाई खोदती है और वहां से छुपकर दुश्मन पर गोलियां दागती है. जब सिपाही पीछा करता है तो चोर चालाकी से छिप जाता है.'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, छिपने को लेकर इतने

उदाहरण देने की जरूरत नहीं है. खड़गे की मांग है कि अमित शाह छिपने की बजाय संसद में आकर बताएं कि आंदोलनकारी छात्रों पर गोली किसने चलाई थी. राहुल गांधी ने भी लोकसभा में कहा था कि 2 ही रास्ते हैं. या तो शाह कबूल करे कि उन्होंने गोली चलाने का आदेश दिया था अथवा यह बताएं कि उन्हें मालूम नहीं था कि गोली चलाई जा रही है. पहले मामले में वह दोषी हैं और दूसरी स्थिति में वह अक्षम हैं. कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल ने भी शाह पर छिपने का आरोप लगाया.'

हमने कहा, 'छिपने को फिल्मों में भी महत्व दिया गया हैं. आपने गीत सुने होंगे- छुप गया कोई रे दूर से पुकार के, दर्द अनोखे हाय दे गया प्यार के ! छुपनेवाले सामने आ, छुप-छुप के मेरा जी न जला, सूरज से किरण-बादल से पवन कब तलक छुपेगी ये तो बता ! देखो ये चांद छुप के करता है क्या इशारे, तुम हो गए हमारे हम हो गए तुम्हारे ! छुपा लो यूं दिल में प्यार मेरा जैसे मंदिर में लौ दिए की ! तू छुपी है कहां, मैं तड़पता यहां !'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, फिल्मों की रील लाइफ की बात छोड़िए रीयल लाइफ में नेता जवाबदेही टालने के लिए छिप जाते हैं.'

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12337 - डॉ. सागर खादीवाला

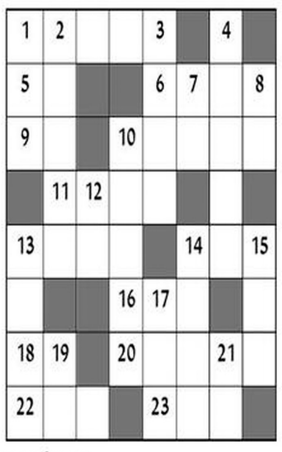

नकल करके बनाया हुआ, बनावटी
23. मोटे कपड़े की दीवार जिससे कोई स्थान घेरा जाता है

ऊपर से नीचे

1. बाजे आदि का बजाना, लड़ना 2. बाल्यावस्था, नासमझी 3. महादेव 4. धोखेबाजी 7. मुसलमानों की पवित्र मक्का की तीर्थयात्रा 8. संबंध, रिश्ता 10. अपमान करना 12. बढ़िया, सुडौल, पूरा 13. वंश, कुल 14. खिसकना 15. काव्य के नौ रसों में तीसरा, दयार्द्र 17. गंध, जाने वाला, सुगंध 19. वाणी, बगलों का समूह (सं.) 21. लीन, लिप्त

बाएं से दाएं

1. बचपन, नासमझी 5. चेतनारहित, मूर्ख, वृक्ष का वह भाग जो भूमि में रहता है 6. मंदगति से भ्रमण करना, व्यायाम या मनबहलाव की दृष्टि से इधर-उधर घूमना 9. नासिका, प्रतिष्ठा या शोभा की वस्तु 10. राज्य की शासन व्यवस्था में अशांति की अवस्था या भाव 11. एक प्रकार का बाजा जो मृदंग से छोटा होता है 13. रसोईया 14. सटकने की क्रिया या भाव. हुक्का पीने की नली 16. शहर से छोटी और कस्बे से बड़ी बस्ती 18. किसी वस्तु पर अपना हक जतलाना, मुकदमा 20. नाम रखने का कान या संस्कार 22.

Solution 12336

स	ती	न	■	चि	ल	क	ना
णा	ता	ल	■	ख	त	रा	■
ट	■	कू	द	ना	■	र	ब
■	च	प	ल	■	र	■	ना
र	ट	■	द	श	म	ल	व
ज	नी	■	ल	ह	र	■	ट
नी	■	चो	■	■	ती	जा	■
श	क	र	कं	द	■	दू	री

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में लेनदेन में विवाद होगा. सामाजिक विवाद की स्थिति का सामना करना होगा. आजीविका के क्षेत्र में आंशिक सफलता मिलेगी. वर्ष के मध्य में प्रभाव बढ़ेगा. मित्र से आर्थिक सहयोग प्राप्त होगा. वर्ष के अन्त में पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा. लाभांवित होने का योग है. पेट संबंधी परेशानी हो सकती है.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियोंको प्रभाव में वृद्धि होगी. वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा. लाभांवित होंगे. कर्क राशि के व्यक्तयों को आजीविका के क्षेत्र में आंशिक सफलता मिलेगी. सिंह राशि के व्यक्तियों को पेट संबंधी परेशानी होगी. मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को सामाजिक विवाद का सामना करना होगा. मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को निजी संपर्कों का लाभ होगा. धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को सहयोग प्राप्त होगा.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक मिलनसार, संतोषी, एकांतप्रिय महत्वाकांक्षी स्वाभाव का होगा. इनकी शिक्षा अच्छी होगी. नौकरी में अच्छी सफलता प्राप्त होगी. माता पिता के प्रति आस्थावान और स्नेही रहेगा.

मेष- खानपान में सावधानी रखें. कारोबारी साझेदारी लाभदायक रहेगी. धर्म में आस्था बढ़ेगी. आश्वासनों को पूर्ण नहीं कर पायेंगे.

वृषभ- विरोधियों को मात देने में सफल रहेंगे. प्रियजन से मुलाकात सुखद रहेगी. आर्थिक क्षेत्र में चल रहा प्रयास सफल होगा. मनोरंजन आदि के योग है.

मिथुन- अधिकारियों से बातचीत में नरमी बरतें. अचानक नई बात सामने आ सकती है. परिणाम सुखद एवं लाभदायक अनुकूल रहेंगे. शुभचिन्तकों की मदद मिलेगी.

कर्क- अधिकारियों से तालमेल बना रहेगा. अनावश्यक खर्च से परेशानी होगी. आजीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी. परिवर्तन के प्रयास सार्थक होंगे.

सिंह- कानूनी मामले में अनदेखी करके परेशानी बढ़ा लेंगे. कार्य योजना में बदलाव से लाभ होगा. आर्थिक योजना को बल मिलेगा. पद प्रतिष्ठा की प्राप्ति होगी.

कन्या- लंबित योजनायें फिर से शुरू हो सकती हैं. कार्यस्थल पर विवाद से तनाव बढ़ेगा. कोइ ऐसा कार्य बनेगा, जिससे आपको आत्म संतोष प्राप्त होगा.

तुला- बिना मांगे दूसरों को सलाह देना भारी पड़ सकती है. आय व्यय का संतुलन बनाकर चलें. छोटी मोटी बातों पर उत्तेजित होकर अपना काम न बिगाड़े.

वृश्चिक- वाहन खरीदने का मन बनेगा. गलतफहमी से रिश्तों में दरार आयेगी. अपनों का भरपूर सहयोग मिलेगा. जारी प्रयास सफल और सार्थक होगा.

धनु- कार्यक्षेत्र में अधिकार और बर्चस्व बढ़ेगा. सहयोगी उपलब्धियों से ईर्ष्या करेंगे. पारिवारिक सुख संबंधों में निकटता आयेगी. पुरस्कार लाभ का योग है.

मकर- प्रभावशाली लोगों के संपर्कों का लाभ होगा. व्यापारिक साझेदारी लाभकारी रहेगी. पारिवारिक स्तर पर सामंजस्य बैठाने का प्रयास करें.

कुम्भ- सामाजिक कार्यक्रमों में बढ़चढ़कर हिस्सा लेंगे. मेहनत के शानदार परिणाम मिलेंगे. धन व्यय होगा. व्यवसायिक समस्याओं का सरलता से समाधान होगा.

मीन- मन की बात अपनों से कह दें, संबंधों में मधुरता आयेगी.यात्रा का योग है. विरोधी वर्ग सक्रिय रहेगा. आर्थिक क्षेत्र में किया गया प्रयास सफल होगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

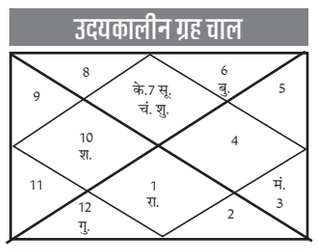

पंचांग

रा.मि. 12 संवत् 2083 श्रावण कृष्ण पंचमीं चन्द्रवासरे रात 8/16, उत्तराभाद्रपद नक्षत्रे रात 8/37, सुकर्मा योगे रात 8/48, कौलव करणे सू.उ. 5/25, सू.अ. 6/35, चन्द्रचार मीन, पर्व- श्रावण सोमवार व्रत, शु.रा. 12,2,3,6,7,10 अ.रा. 1,4,5,8,9,11 शुभांक- 5,7,1.

व्यापार भविष्य

श्रावण कृष्ण पंचमीं को उत्तराभाद्रपद नक्षत्र के प्रभाव से गुड़ खांड, के भाव में उठाल आयेगा. लाल रंग की वस्तुओं में तेजी होगी. रूई, चांवल सरसों, लाख गेहूँ, चना, के भाव में वृद्धि होगी. आज बाजार का रूख देखकर कार्य करें. भाग्यांक 6068 है.

SUDOKU 7469

				1			6	
					5			
2		3	9			8		
6							5	
			8		3			
	1							4
		7			1	3		9
			2					
	5			6				

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7468

7	6	8	2	1	9	3	4	5
2	1	5	6	3	4	8	7	9
3	4	9	5	7	8	6	1	2
5	7	4	8	6	1	9	2	3
9	2	1	3	4	5	7	8	6
8	3	6	7	9	2	1	5	4
1	5	3	4	8	5	2	9	7
4	9	7	1	2	3	5	6	8
6	8	2	9	5	7	4	3	1